अध्याय 3: चाँद का कुर्ता

विषय-सूची 13 प्रश्नावली · 40 प्रश्न

प्रश्नावली 3.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 3.2	कविता से	3 प्रश्न
प्रश्नावली 3.3	सोचिए और लिखिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 3.4	अभिभावक और आप	6 प्रश्न
प्रश्नावली 3.5	अनुमान और कल्पना	4 प्रश्न
प्रश्नावली 3.6	भाषा की बात	3 प्रश्न
प्रश्नावली 3.7	चाँद का झिंगोला (संवाद)	4 प्रश्न
प्रश्नावली 3.8	कविता से आगे	3 प्रश्न
प्रश्नावली 3.9	सोचिए, समझिए और बताइए	2 प्रश्न
प्रश्नावली 3.10	पढ़िए और समझिए	2 प्रश्न
प्रश्नावली 3.11	आपकी कलाकारी	1 प्रश्न
प्रश्नावली 3.12	पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत	2 प्रश्न
प्रश्नावली 3.13	बूझो तो जानें	2 प्रश्न

प्रश्नावली 3.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

आकाश आपको कब-कब बहुत सुंदर दिखाई देता है और क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: आकाश मुझे रात में चाँद-तारों से भरा होने पर और सूर्योदय के समय लाल-नारंगी रंग में रंगा होने पर बहुत सुंदर लगता है। बारिश के बाद इंद्रधनुष दिखे तो आकाश और भी आकर्षक हो जाता है।

प्रश्न 2

चाँद को ठंड लगती है इसलिए वह झिंगोला माँग रहा है। सूरज क्या कहकर अपनी माँ से कपड़े माँगेगा?

उत्तर: नमूना उत्तर: सूरज कहेगा — 'माँ, मुझे बहुत गर्मी लगती है! मेरे लिए कोई पतला, हल्का और ठंडे रंग का कुर्ता सिलवा दो जिससे मेरी तपन कम हो।'

प्रश्न 3

आपने आकाश में क्या-क्या परिवर्तन होते देखे हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैंने आकाश में कई बदलाव देखे हैं — दिन में नीला आकाश और सफेद बादल, शाम को लाल-नारंगी रंग, रात में तारे और चाँद, बरसात में काले-घने बादल और कभी-कभी बिजली की चमक।

प्रश्न 4

जब आप अपने अभिभावक के साथ नए कपड़े खरीदने जाते हैं तब किन-किन बातों का ध्यान रखते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: नए कपड़े खरीदते समय हम रंग, कपड़े की गुणवत्ता, सही नाप और कपड़े का मौसम के अनुसार उपयुक्त होना देखते हैं। साथ ही यह भी देखते हैं कि कपड़ा आरामदायक और टिकाऊ हो।

प्रश्नावली 3.2 — कविता से

प्रश्न 1

चाँद की माँ उसे झिंगोला क्यों नहीं दे पा रही है? (सही विकल्प चुनिए — एक से अधिक सही हो सकते हैं) (क) चाँद के पास पहले से ही बहुत से झिंगोले हैं। (ख) चाँद के शरीर का आकार घटता-बढ़ता रहता है। (ग) चाँद अपने वस्त्र सँभालकर नहीं रखता है। (घ) चाँद की माँ अभी कोई नया वस्त्र नहीं सिलवाना चाहती है।

उत्तर: सही विकल्प: (ख) चाँद के शरीर का आकार घटता-बढ़ता रहता है। माँ का कहना है कि चाँद का नाप हर दिन बदल जाता है — कभी वह एक अँगुल-भर चौड़ा होता है तो कभी एक फुट मोटा, इसलिए उसके लिए कोई एक नाप का कुर्ता नहीं बनाया जा सकता।

प्रश्न 2

कविता में चाँद के बदलते आकार का वर्णन करने के लिए किन शब्दों का प्रयोग किया गया है? (क) एक अंगुल-भर चौड़ा (ख) एक फुट मोटा (ग) किसी दिन बड़ा (घ) किसी दिन छोटा

उत्तर: सही विकल्प: (क), (ख), (ग) और (घ) — कविता में चाँद के आकार को 'एक अँगुल-भर चौड़ा', 'एक फुट मोटा', 'किसी दिन बड़ा' और 'किसी दिन छोटा' — इन सभी शब्दों से वर्णन किया गया है।

प्रश्न 3

कविता में ठंड के मौसम का वर्णन करने के लिए किन-किन शब्दों का प्रयोग किया गया है? (क) ऊन का मोटा झिंगोला (ख) सन-सन चलती हवा (ग) ठिठुर-ठिठुरकर यात्रा (घ) भाड़े का कुरता

उत्तर: सही विकल्प: (क), (ख) और (ग) — 'ऊन का मोटा झिंगोला' ठंड से बचाव दर्शाता है, 'सन-सन चलती हवा' ठंडी हवा का वर्णन है और 'ठिठुर-ठिठुरकर यात्रा' ठंड से काँपने का चित्रण है। 'भाड़े का कुरता' ठंड का वर्णन नहीं, बल्कि उपाय की माँग है।

प्रश्नावली 3.3 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

कविता की किन पंक्तियों से पता चलता है कि चाँद किसी एक दिन बिलकुल दिखाई नहीं देता है?

उत्तर: कविता की इन पंक्तियों से पता चलता है — 'घटता-बढ़ता रोज किसी दिन ऐसा भी करता है, नहीं किसी की भी आँखों को दिखलाई पड़ता है।' इन पंक्तियों में माँ कह रही है कि कभी-कभी चाँद इतना छोटा हो जाता है कि वह किसी को भी दिखाई नहीं देता — यही अमावस्या की रात है।

प्रश्न 2

सर्दी से बचने के लिए चाँद, माँ से ऊन के झिंगोले के अतिरिक्त और कौन-से कपड़े माँग सकता है?

उत्तर: सर्दी से बचने के लिए चाँद माँ से ऊनी मफलर, गरम दस्ताने, ऊनी टोपी और मोटी शॉल भी माँग सकता है। ये सभी कपड़े उसे सन-सन चलती ठंडी हवा से बचाने में मदद करेंगे।

प्रश्न 3

जाड़े के मौसम में चाँद को क्या कठिनाई होती है?

उत्तर: जाड़े के मौसम में चाँद को रात भर सन-सन चलती ठंडी हवा में आकाश की यात्रा करनी पड़ती है। वह ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह अपनी यात्रा पूरी करता है। गरम कपड़े न होने के कारण उसे बहुत कष्ट होता है।

प्रश्न 4

चाँद किस यात्रा को पूरा करने की बात कर रहा है?

उत्तर: चाँद आकाश में रात भर एक छोर से दूसरे छोर तक चलने की यात्रा की बात कर रहा है। हर रात वह पूर्व से उगकर पश्चिम तक जाता है। इसी आकाशीय यात्रा को वह 'आसमान का सफर' कहता है।

प्रश्नावली 3.4 — अभिभावक और आप

प्रश्न 1

जब आप ठंडी रात में सोते समय अपने पैरों से कंबल या रजाई उतार फेंकते हैं तब आपके अभिभावक क्या-क्या कहते या करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: जब मैं कंबल उतार फेंकता/फेंकती हूँ तो माँ उठकर फिर से ढक देती हैं और प्यार से कहती हैं — 'बेटा, ठंड लग जाएगी, ठीक से ओढ़कर सो।' वे रात भर देखभाल करती हैं।

प्रश्न 2

जब आप ठंड में आइसक्रीम खाने का हठ करते हैं तब आपके अभिभावक क्या कहते या करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: माँ-पिताजी प्यार से समझाते हैं — 'ठंड में आइसक्रीम खाने से गला खराब हो जाएगा।' वे मुझे इसके बजाय गरम हलवा या खीर खाने का विकल्प देते हैं ताकि मेरी मीठे की इच्छा पूरी हो जाए।

प्रश्न 3

जब आप दूध पीने, हरी सब्जियाँ और फल आदि खाने से कतराते हैं तब आपके अभिभावक क्या कहते या करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: माँ समझाती हैं — 'दूध और सब्जियाँ न खाने से शरीर कमज़ोर हो जाएगा। हड्डियाँ मज़बूत करनी हैं तो दूध ज़रूर पीना होगा।' कभी-कभी वे दूध में चॉकलेट मिलाकर देती हैं।

प्रश्न 4

जब आप देर तक सोते हैं तब आपके अभिभावक क्या कहते या करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: माँ धीरे से जगाती हैं और कहती हैं — 'उठो बेटा, स्कूल का समय हो गया।' पिताजी कहते हैं — 'सुबह जल्दी उठने से पूरा दिन अच्छा जाता है।' वे मुझे सूरज उगने से पहले उठने की आदत डालने की कोशिश करते हैं।

प्रश्न 5

जब कोई आपके घर आपकी शिकायत करने आता है तब आपके अभिभावक क्या कहते या करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: माँ-पिताजी पहले शिकायत ध्यान से सुनते हैं, फिर मुझसे भी मेरा पक्ष पूछते हैं। गलती होने पर वे प्यार से समझाते हैं और माफी माँगना सिखाते हैं। वे हमेशा कहते हैं — 'दूसरों के साथ वैसा ही करो जैसा तुम अपने साथ चाहते हो।'

प्रश्न 6

जब आपके अच्छे कामों के लिए आपकी प्रशंसा होती है अथवा पुरस्कार मिलता है तब आपके अभिभावक क्या कहते या करते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: जब मुझे पुरस्कार मिलता है तो माँ गले लगाकर कहती हैं — 'हमें तुम पर गर्व है!' पिताजी कहते हैं — 'बहुत अच्छा किया, ऐसे ही मेहनत करते रहो।' उनकी खुशी देखकर मुझे और अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है।

प्रश्नावली 3.5 — अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1

आप अपनी माँ से चाँद का दुखड़ा कैसे बताएँगे?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं माँ से कहूँगा/कहूँगी — 'माँ, बेचारे चाँद को रात भर ठंडी हवा में आकाश की यात्रा करनी पड़ती है। वह ठिठुरता रहता है पर उसके लिए कुर्ता भी नहीं बन सकता क्योंकि उसका नाप हर दिन बदल जाता है।'

प्रश्न 2

गरमी और वर्षा से बचने के लिए चाँद अपनी माँ से क्या कहेगा? वह किस प्रकार के कपड़ों एवं वस्तुओं की माँग कर सकता है?

उत्तर: नमूना उत्तर: गरमी में चाँद माँ से पतला सूती कुर्ता, टोपी और ठंडक देने वाला पंखा माँगेगा। वर्षा में वह रेनकोट और छाता माँगेगा ताकि आकाश में बादलों की बारिश में भीगे नहीं। पर समस्या वही रहेगी — नाप हर दिन बदलता है!

प्रश्न 3

चाँद ने माँ से कुरता किराए पर लाने के लिए क्यों कहा होगा?

उत्तर: चाँद ने भाड़े का कुर्ता माँगा होगा क्योंकि वह समझ गया था कि उसका आकार हर दिन बदलता है, इसलिए एक स्थायी कुर्ता बनवाना संभव नहीं है। किराए पर अलग-अलग नाप के कुर्ते लेकर उस दिन के आकार के अनुसार पहना जा सकता है।

प्रश्न 4

यदि माँ ने चाँद का कुरता सिलवा दिया होता तो क्या होता?

उत्तर: नमूना उत्तर: यदि माँ ने एक नाप का कुर्ता सिलवा दिया होता तो वह हर दिन फिट नहीं आता। पूर्णिमा को बड़े आकार में कुर्ता छोटा पड़ता और अमावस्या के पास जाते-जाते बहुत ढीला हो जाता। यानी वह कुर्ता एक दिन के लिए भी ठीक से काम न आता।

प्रश्नावली 3.6 — भाषा की बात

प्रश्न 1

'सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ।' — 'भर' शब्द का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: (१) पानी गिलास भर है। (२) उसने दिन भर पढ़ाई की। (३) मैं हफ्ते भर बीमार रहा। (४) वह मन भर रो लिया। (५) कटोरी भर दूध पी लो।

प्रश्न 2

'ठिठुर-ठिठुरकर' जैसे शब्द को दोहराकर बल दिया गया है। ऐसे ही शब्दों को दोहराते हुए पाँच वाक्य लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: (१) वह धीरे-धीरे चल रहा था। (२) बच्चे खुशी-खुशी खेल रहे हैं। (३) जल्दी-जल्दी चलो, देर हो जाएगी। (४) वह रोते-रोते सो गई। (५) माँ हँसते-हँसते बोलीं।

प्रश्न 3

नीचे दी गई कविता की पंक्तियों में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया पहचानकर लिखिए — (क) आसमान का सफर और यह मौसम है जाड़े का। (ख) सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला। (ग) ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह यात्रा पूरी करता हूँ।

उत्तर: (क) संज्ञा: आसमान, सफर, मौसम, जाड़ा; सर्वनाम: यह; विशेषण: जाड़े का; क्रिया: है। (ख) संज्ञा: माँ, ऊन, झिंगोला; सर्वनाम: मुझे; विशेषण: मोटा, एक; क्रिया: सिलवा दो। (ग) संज्ञा: यात्रा; सर्वनाम: —; विशेषण: किसी; क्रिया: ठिठुर-ठिठुरकर करता हूँ।

प्रश्नावली 3.7 — चाँद का झिंगोला (संवाद)

प्रश्न 1

चाँद और माँ के संवाद को आगे बढ़ाइए — माँ: तेरा आकार तो प्रतिदिन बदलता रहता है। कभी छोटा, कभी बड़ा, कभी एकदम गायब! मैं कैसे नाप लूँ? चाँद: (सोचकर) अरे हाँ! लेकिन फिर भी कोई उपाय तो होगा?

उत्तर: नमूना उत्तर — माँ: उपाय एक ही है — जिस दिन तू पूरा गोल हो, उसी दिन नाप लेकर एक बड़ा कुर्ता बनवा लेते हैं। बाकी दिन उसे मोड़-तोड़कर पहन लेना। चाँद: ठीक है माँ, लेकिन जब मैं बहुत छोटा हो जाता हूँ तब तो वह कुर्ता पूरे शरीर को ढकेगा भी नहीं! माँ: हाँ, यही तो मुश्किल है। देखते हैं कोई होशियार दर्ज़ी मिले जो इसका हल निकाल सके।

प्रश्न 2

चाँद और कपड़े के दुकानदार के संवाद को आगे बढ़ाइए — दुकानदार: अरे छोटू चाँद! जब आपका नाप ही तय नहीं तो कपड़ा कैसे दूँ? पहले नाप तो तय करके आओ!

उत्तर: नमूना उत्तर — चाँद: दुकानदार जी, क्या आपके पास ऐसा लचीला कपड़ा है जो खुद-ब-खुद छोटा-बड़ा हो सके? दुकानदार: (माथा थपथपाते हुए) अरे! ऐसा कपड़ा तो अभी तक बना ही नहीं है! लेकिन रुको — स्ट्रेच वाला ऊनी कपड़ा ले जाओ, वह थोड़ा-बहुत खिंचता है। चाँद: (खुश होकर) यह तो अच्छा विचार है! कितने मीटर लेना होगा?

प्रश्न 3

चाँद और दर्ज़ी के संवाद को आगे बढ़ाइए — दर्ज़ी: तो फिर ऐसा करो, प्रतिदिन मेरे पास आओ और मैं प्रत्येक दिन तुम्हारे नाप का नया कुर्ता सिल दूँगा! चाँद: (प्रसन्न होते हुए) फिर तो मुझे प्रतिदिन नए कपड़े मिलेंगे! लेकिन माँ मानेंगी नहीं!

उत्तर: नमूना उत्तर — दर्ज़ी: माँ से कह देना कि यह मेरी विशेष सेवा है — 'चाँद स्पेशल डेली कुर्ता सेवा'! चाँद: (हँसकर) वाह! पर दर्ज़ी जी, हर रात नया कुर्ता? इतना काम आप अकेले करेंगे? दर्ज़ी: कोई बात नहीं, तुम्हारी चमक से मेरी दुकान भी रोशन रहेगी! बस पहले नाप दे जाओ।

प्रश्न 4

इन संवादों पर कक्षा में शिक्षक की सहायता से अभिनय कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: कक्षा में तीन समूह बनाएँ — चाँद, माँ और दर्ज़ी के पात्र निभाने के लिए। अपने-अपने संवाद याद करें और भाव-भंगिमा के साथ प्रस्तुत करें। यह एकांकी अभिनय आपकी भाषा और अभिव्यक्ति को निखारेगा।

प्रश्नावली 3.8 — कविता से आगे

प्रश्न 1

क्या चाँद की तरह आप भी अपनी माँ से किसी वस्तु के लिए हठ करते हैं? आप अपनी माँ को इसके लिए कैसे मनाते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: हाँ, कभी-कभी मैं भी हठ करता/करती हूँ। मैं माँ को मनाने के लिए प्यार से अपनी ज़रूरत समझाता/समझाती हूँ, उनकी पसंद के काम करता/करती हूँ और वादा करता/करती हूँ कि उस चीज़ का सही उपयोग करूँगा/करूँगी।

प्रश्न 2

आपकी माँ आपको किसी काम के लिए कैसे मनाती हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: माँ मुझे प्यार से समझाकर मनाती हैं। वे उस काम का फायदा बताती हैं और कभी-कभी मेरी पसंद की चीज़ का लालच भी देती हैं। उनकी बात में इतनी ममता होती है कि मैं मान जाता/जाती हूँ।

प्रश्न 3

गरमी, सर्दी या वर्षा से बचने के लिए आपकी माँ आपको क्या कहती अथवा क्या-क्या करती हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: सर्दी में माँ गरम कपड़े पहनाती हैं और गरम दूध देती हैं। गरमी में ठंडा पानी, छाँव में बैठने और हल्के कपड़े पहनने की सलाह देती हैं। बारिश में छाता और रेनकोट लेकर जाने को कहती हैं।

प्रश्नावली 3.9 — सोचिए, समझिए और बताइए

प्रश्न 1

कविता में चाँद अपनी माँ से बातें कर रहा है। मान लीजिए कि चाँद बोल नहीं सकता। अब वह अपनी माँ को अपनी बात कैसे बताएगा?

उत्तर: नमूना उत्तर: यदि चाँद बोल न सके तो वह हाव-भाव से माँ को बता सकता है — ठंड लगने पर काँपकर दिखाएगा, झिंगोले की माँग के लिए कपड़े का इशारा करेगा। वह आकाश में अपने आकार को घटते-बढ़ते दिखाकर समझाएगा कि नाप बनाना क्यों मुश्किल है।

प्रश्न 2

मान लीजिए कि चाँद का एक मित्र है जो देख नहीं सकता। चाँद उसे अपने बदलते हुए आकार के बारे में कैसे समझाएगा?

उत्तर: नमूना उत्तर: चाँद अपने दृष्टिहीन मित्र के हाथ को अपने ऊपर रखकर दिनों के हिसाब से छोटा-बड़ा आकार स्पर्श से समझाएगा — 'आज मैं इतना पतला हूँ जैसे एक धागा, और पंद्रह दिन बाद मैं पूरा गोल हो जाता हूँ।' इस तरह छूकर महसूस करने से मित्र को समझ आ जाएगा।

प्रश्नावली 3.10 — पढ़िए और समझिए

प्रश्न 1

चाँद की माँ का विज्ञापन पढ़िए — 'क्या आप हैं सबसे कुशल दर्ज़ी? चाँद के लिए एक ऐसा कुर्ता चाहिए जो प्रतिदिन बदलते आकार में भी फिट आए।' — इस विज्ञापन को अपने शब्दों में बताइए।

उत्तर: चाँद की माँ एक ऐसे कुशल दर्ज़ी को ढूँढ रही है जो चाँद के लिए खास कुर्ता सिल सके। समस्या यह है कि चाँद का आकार हर दिन बदलता है — कभी बहुत छोटा, कभी बड़ा। इसलिए ऐसे कुर्ते की ज़रूरत है जो हर आकार में फिट बैठे। जो भी दर्ज़ी यह असंभव-सा काम कर पाएगा, उसे विशेष पुरस्कार मिलेगा।

प्रश्न 2

अब एक रोचक विज्ञापन तैयार कीजिए जिसमें आप अपने लिए कोई वस्तु मँगवा रहे हों।

उत्तर: नमूना उत्तर — विज्ञापन: 'क्या आपके घर में एक जादुई बस्ता है? मुझे एक ऐसा बस्ता चाहिए जो सभी किताबें रखने के बाद भी हल्का रहे, कभी टूटे नहीं और बारिश में भीगे नहीं! अगर किसी के पास ऐसा बस्ता हो तो कृपया संपर्क करें। पुरस्कार: ढेर सारी तारीफ़!' (अपनी पसंद की वस्तु चुनकर विज्ञापन बनाएँ।)

प्रश्नावली 3.11 — आपकी कलाकारी

प्रश्न 1

रंगीन कागज, गोंद, कैंची और ग्लिटर से चाँद के लिए एक सुंदर कुर्ता बनाइए और कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: कागज पर कुर्ते का आकार बनाएँ। रंगीन कागज या कपड़े के टुकड़ों से उसे सजाएँ। ग्लिटर से तारों और चाँद की आकृतियाँ बनाकर कुर्ते पर चिपकाएँ। तैयार कुर्ता कक्षा में सभी को दिखाएँ और बताएँ कि आपने किस विचार से इसे बनाया।

प्रश्नावली 3.12 — पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

प्रश्न 1

पुस्तकालय में चाँद, सूरज, तारे, आकाश आदि पर किताबें ढूँढ़कर पढ़िए और कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: पुस्तकालय में जाकर 'हमारा सौरमंडल', 'तारों की दुनिया' जैसी किताबें खोजें। इनमें से कोई एक रोचक जानकारी जैसे — चाँद पर गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी का 1/6 है — याद करके कक्षा में बताएँ।

प्रश्न 2

चंद्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण कब-कब और क्यों होते हैं? इसकी जानकारी प्राप्त करके कक्षा में बताइए।

उत्तर: नमूना उत्तर: चंद्रग्रहण तब होता है जब पृथ्वी, सूर्य और चाँद के बीच आ जाती है — पृथ्वी की छाया चाँद पर पड़ती है। सूर्यग्रहण तब होता है जब चाँद, सूर्य और पृथ्वी के बीच आ जाता है — चाँद सूरज को ढक लेता है। ये घटनाएँ पूर्णिमा और अमावस्या को होती हैं।

प्रश्नावली 3.13 — बूझो तो जानें

प्रश्न 1

पहेली — 'तन है मेरा हरा-भरा, रस से रहता सदा भरा। भीतर से हूँ मैं लाल, प्यास बुझाकर पूछूँ हाल।' — इसका उत्तर क्या है?

उत्तर: इस पहेली का उत्तर है — तरबूज। तरबूज बाहर से हरा होता है, भीतर से लाल और रस से भरा होता है। गर्मियों में यह प्यास बुझाता है।

प्रश्न 2

पहेली — 'हम दोनों हैं पक्के मित्र, करते रहते काम विचित्र। पाँच-पाँच सेवक हैं साथ, लेकिन करते कभी न बात।' — इसका उत्तर क्या है?

उत्तर: इस पहेली का उत्तर है — हाथ का पंजा (दोनों हाथ)। दोनों हाथ पक्के मित्र की तरह साथ काम करते हैं। दोनों के पाँच-पाँच उँगलियाँ उनके सेवक हैं जो सदा साथ रहती हैं पर बोलती नहीं।